# पुराने यार के लंड ने मजा दिया-1

“मेरी बेबी की तबियत खराब थी. मेरी पड़ोसन ने बताया कि मोहल्ले के आगे वाली सड़क पर नया डॉक्टर आया है. मैं उसी के पास चली गयी. पर वो तो मेरा पुराना यार निकला. …”

**Story By:** (bindudevi)
**Posted:** Saturday, October 26th, 2019
**Categories:** चुदाई की कहानी
**Online version:** पुराने यार के लंड ने मजा दिया-1


*Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire*

# पुराने यार के लंड ने मजा दिया-1

 यह कहानी सुनें

नमस्कार दोस्तो … मैं बिंदू देवी अपनी चुदाई की नई कहानी लेकर आप सभी के सामने फिर से हाज़िर हूँ.
दोस्तो, आप सभी ने मेरी पिछली कहानियों को बहुत प्यार दिया, उसके लिए बहुत धन्यवाद.
मेरी पिछली कहानी थी : पड़ोसन के पति को फंसाकर चूत और गांड मरवायी
सेक्स कहानी शुरू करने से पहले, मैं अपने नए मित्रों को एक बार फिर से अपने बारे में बता देती हूं ताकि आप लोगों की पूछने की समस्या खत्म हो जाए.

मैं पटना से हूँ. मेरी फिगर साइज 34-32-36 की है, जो कि पहले के मुकाबले अभी थोड़ी बढ़ गयी है. मेरे पति का टूर ट्रेवल का खुद का बिजनेस है. उनका औजार सिर्फ 4 इंच का है और वो मात्र 5 मिनट तक ही चोद सकते है. इसलिए मेरे गैर मर्दों से सम्बन्ध हैं. मैं शादी से पहले 6 लंड से चुदने का मजा ले चुकी हूं, ये सभी लंड काफी बड़े बड़े थे.

ये सेक्स कहानी मेरे तीसरे यार की है जो शादी से पहले मुझे मस्त चोदता था. उसने ही पहली बार मेरी गांड मारी थी. वो पहली बार की गांड चुदाई की कहानी मैं किसी और दिन लिखूंगी. आप अभी की सेक्स कहानी का मजा लीजिए.

ये 6 महीने पहले की बात है. पति का बिजनेस दूसरे सिटी में है, इसलिए वो अधिकतर घर से बाहर ही रहते हैं. एक महीने में 2 से 3 दिन के लिए ही घर आते हैं. उन दिनों पति घर में नहीं थे और मेरी एक साल की बेटी की तबियत खराब थी. मेरी पड़ोसन ने बताया कि अपने मोहल्ले के आगे वाली सड़क पर एक नए डॉक्टर ने बच्चे का क्लिनिक खोला है … सुना

था कि वो काफी अच्छा है.

मैं वहां पहुंची व बाहर अपने बच्चे को दिखाने का नंबर लगा कर बैठ गई. मैं अपनी बारी का इन्तजार करने लगी. जब मेरी बारी आई, तो मैं बेटी के साथ अन्दर गयी.

डॉक्टर मुझे देखते ही बोल पड़ा- अरे बिंदू, तुम यहाँ कैसे ?

मैं भी एकदम से अवाक रह गयी कि अरे ये बशीर यहाँ कैसे.
एक मिनट तक हम दोनों एक दूसरे को यूं ही देखते रहे. मैं समझ गयी कि ये बशीर डॉक्टर बन गया है.
उसने धीमे स्वर में पूछा- तुम्हारे साथ और कौन आया है ?
मैंने कहा- कोई नहीं … क्यों पूछ रहे हो ?

फिर उसने अपनी कुर्सी से उठ कर मुझे गले लगा लिया. वो बोला- यार, आज भी तुम बहुत बड़ी माल दिखती हो.
मैं समझ गई कि 'ये मेरे साथ कौन आया है..' क्यों पूछ रहा था.

मेरे दिल की तमन्नाएं भी उफान लेने लगी थीं. लेकिन अभी मेरी बेटी की तबियत खराब थी और मुझे उसका इलाज करवाना जरूरी लग रहा था.
मैं बोली- वो सब छोड़ो … पहले मेरी बेटी को देखो … इसकी तबियत बहुत खराब है.

उसने मेरी बेटी को गोद में लिया और बेड पर लिटा कर उसका चेकअप किया. वो बोला- कुछ नहीं … बस वायरल फीवर है … दो तीन दिन में ठीक हो जाएगी.
मैंने कहा- क्या ऐसे ही ठीक हो जाएगी ? कोई दवा नहीं देनी पड़ेगी ?
वो हंस दिया और बोला- अबे यार, अभी दवा दे दूँगा … उसी से ये ठीक होगी.
मैं सर हिलाते हुए अपनी मूर्खता पर शर्मिंदगी जताई.

उसने दवा को एक कागज पर लिखते हुए घंटी दबा दी और अपने स्टाफ को बुलाया.
कम्पाउण्डर जैसे ही अन्दर आया, वो बोला- अभी जितने भी पेशेंट हैं, उन सभी को बोलो कि अभी मैं बिजी हूँ. तुम थोड़ी देर बाद में सबको भेजना.

कम्पाउण्डर वहां से चला गया. मेरी बेटी बुखार में तप रही थी और वो अभी सो रही थी. अब हम दोनों बातें करने लगे.

डॉक्टर बोला- यार तेरी शादी के बाद तुम्हारी बहुत याद आती थी. तेरी जैसी माल को मैं तेरी शादी के बाद नहीं चोद पाया.
मैं बोली- वो सब पुरानी बातें हैं. अब मैं वैसी नहीं रह गई हूँ.
वो बोला- साली झूठ मत बोल … ऐसे ही तेरे चूतड़ नहीं निकले हैं, सच बोल और बता कि पति के अलावा और किसका ले रही है. अब नौटंकी छोड़ और खुल जा. वैसे भी मैंने और मेरे दोस्तों ने तुझे बहुत चोदा है.

मैं बोली- क्या यार तुम भी … अब रहने भी दो.
वो मेरा हाथ पकड़ कर बोला- मैंने तो आशा ही छोड़ दी थी कि तू मुझे वापस कभी मिलेगी. सच में तुझे मेरे लंड ने बहुत याद किया.
मैं भी तपाक से बोली- मुझे याद कर रहा था या मेरी चूत को ?

इस पर वो हंसने लगा और मेरे होंठों पर किस करने लगा. मैं भी उसका साथ देने लगी. वो मेरे होंठों को चूसे जा रहा था और मेरी चूचियों को दबाने में लगा था.
मैं उसके हाथों का मजा लेने लगी. मुझे शुरू शुरू में तो कुछ अजीब सा लगा, पर बाद में मुझे उसके हाथों का स्पर्श अच्छा लगने लगा.
वो बोला- आह … आज कुछ क्विकी सा हो जाए.
मैं बोली- पागल हो क्या … यहाँ कैसे कुछ हो सकेगा ? बाहर तुम्हारे इतने सारे मरीज बैठे हैं. उनका तो कुछ ख्याल करो. कहीं तुम्हारा कम्पाउण्डर ही अन्दर न आ जाए.

हालांकि मैं भी चुदास से भर गई थी. लेकिन तब भी मुझे ऐसा कहना उचित लग रहा था. एक तो मुझे उसके कम्पाउण्डर के आ जाने का खतरा भी दिख रहा था.
डॉक्टर बोला- बात तो तेरी सही है … लेकिन एक काम तो कर दे, देख तुझे देख कर मेरा लंड कैसे टाइट हो गया. जल्दी से इसका कुछ करो.

मैंने देखा कि उसके पैंट में उसका लंड एकदम तम्बू बनाए हुए था.
मैं बोली- मैं कुछ नहीं करूंगी.
वो- साली नखरे मत कर … तू बहुत बड़ी चुदक्कड़ है, मुझे पता है.

मैं बार बार डर रही थी कि कहीं उसका स्टाफ न अन्दर आ जाए. मैंने उससे कहा भी था. उसने भी शायद मेरी इस दुविधा को समझ लिया था. उसने तुरंत उठ कर अन्दर से गेट लॉक कर दिया और दरवाजे पर ही लंड बाहर निकाल कर मुझे दिखाने लगा. उफ्फ्फ क्या मस्त लंड था उसका … मेरे मुँह में पानी आ गया. जब मैं उसके इस लंड से चुदती थी, तब उसका लंड 8 इंच और 2 इंच मोटा था. लंबाई तो अब भी वही थी, पर मोटाई बढ़ी हुई थी. अभी ये करीब 3 इंच मोटा हो गया था.

मैं लंड देख कर मुस्कुराने लगी.

वो समझ गया और बोला- बिंदू, देख तुझे देख कर उछलने लगा है. वो अपना लंड हिलाने लगा, मैं समझ गयी कि मुझे क्या करना है.

वो मेरे पास को आया, मुझे अपने पास वाली कुर्सी पर बैठा कर मेरे होंठों में लंड घिसने लगा.

वो- बिंदू तुझे याद है न … तुमने मेरे साथ कितनी मस्ती की है.
मैंने भी बोल दी- हां … सब याद है.

वो बोला- तो … चल अब शुरू हो जा … आज शनिवार है, कल रविवार. कल मेरा क्लिनिक बंद रहता है, तू कल आ जाना. कल हम दोनों मस्ती करेंगे.
मैं बोली- अभी मैं चलती हूँ.

मुझे उसे तड़पाने में मजा आता है. क्योंकि जब एक बार वो चोदना शुरू करता है, तो बिल्कुल जालिमों की तरह चोदने लगता है.

वो बोला- नहीं बिंदू … प्लीज़ इसको कम से कम शांत तो कर दे.
मैं समझ गयी कि ये मेरे मुँह को जबरदस्त चोदेगा.

मैंने अपना पल्लू नीचे गिराया … क्योंकि उसके लंड से निकलने वाली मलाई मेरे कपड़े ख़राब कर देती. मैं उसको लंड को मुट्ठी में लेकर हिलाने लगी.
उसकी आह निकलने लगी- उफ्फ बिंदू … तेरी यही अदा मुझे पसंद है.

मैं उसके खुले लंड के टोपे के पिछले वाले हिस्से को चाटने लगी. वो और तेज आहें भरने लगा. उसका लंड बिल्कुल गोरा था. आगे की स्किन कटी हुई और बिल्कुल सख्त था. मैं उसके लंड को थूक से गीला करके हिलाने लगी और उससे बात करने लगी.

मैं- क्या बात है … तुम्हारा लंड तो पहले के मुकाबले और मोटा हो गया है.
वो- हां यार मुझे भी मालूम है … पर अब मैं और भी अच्छे से चोदने लगा हूँ.

उसने अपना पैंट खोल कर नीचे गिराया और मेरे मुँह में लंड ठूंस दिया.
वो बोला- अब बातें नहीं, जल्दी से इसका इलाज कर … तू ही इसकी सबसे बड़ी डॉक्टर है.

ये कहते हुए उसने स्टेथोस्कोप मेरे गले डाल दिया. मैं भी मस्ती से उसका लंड चूसने लगी. मैं लंड के टोपे को चूसती हुई, उसके लंड को हिला रही थी और अपने एक हाथ से अपनी चूत सहला रही थी.

अब वो पूरी तरह आआह भरने लगा था. मैंने तो लंड चूसने में महारत हासिल की हुई है. मेरी चुसाई से उसका लंड और उफान पर आने लगा. उसने मेरा हाथ अपने लंड पर से हटाया और किसी ब्लू फिल्म की चुदाई की तरह मेरे मुँह को चोदने लगा.

जब उसका लंड मेरे गले तक जाता, तो मुझे उबकाई आने लगती. लेकिन उसको मेरी कोई परवाह नहीं थी. वो मेरे मुँह को चूत समझ चोदने में लगा हुआ था. मेरे मुँह से थूक निकल मेरी चूचियों पर गिर रही थी. मैं भी उसके लंड को ऐसे चूस रही थी, जैसे कोई मोटी स्ट्रॉ से कोल्ड ड्रिंक्स पी रही हूँ.

फिर उसने मेरी मेरी मुँह से अपना लंड निकाला, जिससे मेरी लार से मेरे मुँह से उसके लंड तक एक तार बन गयी थी.
वो बोला- आह … ऐसे देखने में बड़ा मजा आता है यार.

उसने फिर से मेरे मुँह को चोदना शुरू कर दिया. मैं भी खुल कर उसका लंड चूस रही थी. उसके लंड का स्वाद ही अलग था.

करीब 15 मिनट की लंड चुसाई के बाद उसने सारा लंड रस मेरे मुँह में छोड़ दिया और मैं उसे पी गयी.

वो भी हांफता हुआ बैठ गया- बिंदू मेरी जान … तेरी जैसी कोई नहीं. मैंने इतनी लड़कियां चोदीं, अपनी बीवी को भी चोदा, पर मेरा लंड चूस कर कोई माल निकाल दे, ऐसा तेरे अलावा कोई नहीं कर सकती. तू मस्त चीज है.

वो फिर से मेरे पास को आया. अपना लंड मेरे को हाथ में देकर खुद से बोला कि मेरे लौड़े मियां … ध्यान से देख … तेरी रानी यही है.

उसकी इस अदा से मैं शर्मा गयी. मैंने अपनी साड़ी ठीक कर ली. उसने मुझे गले से लगाया,

मेरा फोन नंबर लिया.
फिर बोला- मैं कल कॉल करूँगा, तू आ जाना. तेरी चूत भी गीली हो गयी होगी. मैं तुझे कल खूब मजा दूंगा.

हम दोनों ने अपने अपने कपड़े सही किये. फिर दरवाजे का लॉक खोल कर डॉक्टर साब अपनी अपनी कुर्सी पर बैठ गए.

उसने घंटी बजाई, तो कम्पाउण्डर अन्दर आया. वो उससे बोला- इनको ये दवाइयां दे देना … और फीस भी वापस कर देना. ये हमारी पहचान की हैं.
मैं बोली- इसकी जरूरत नहीं, घोड़ा अगर घास से यारी करेगा, तो क्या खाएगा. इस बार रख लो, अगली बार नहीं दूंगी.
वो हंस दिया.

मैं अपने घर आ गयी.

शाम को उसने कॉल किया- मेरी जान कल अच्छे से तैयार होना. ऊपर का मेकअप करना या न करना, पर नीचे की सजावट अच्छे से करना. हम लोगों ने टाइम फिक्स कर लिया था.

अब बस कल का इन्तजार होने लगा. मैं उसके मोटे लंड को देख कर तड़पने लगी थी. घर में मैंने उस दिन आने चूत में खूब उंगली की.

आगे क्या हुआ ये सब अगली सेक्स स्टोरी में बताउंगी. अगर पसन्द आए, तो मुझे बताना … बिल्कुल नहीं भूलना.
bindudevirandi@gmail.com

कहानी का अगला भाग : पुराने यार के लंड ने मजा दिया-2

# Other stories you may be interested in

## बुद्धा गार्डन में दिल गार्डन गार्डन

नमस्कार दोस्तो, सबसे पहले आप लोगों का बहुत बहुत शुक्रिया जो आपने मेरी पहली कहानी नर्स सेक्स स्टोरी : गदर माल को इतना प्यार दिया और कुछ लोगों ने मेल भी किया। मैंने पहली कहानी की लिंक उस कहानी की नायिका […]
Full Story >>>

## पुराने यार के लंड ने मजा दिया-2

नमस्कार दोस्तो, मेरी सेक्स कहानी के पहले भाग पुराने यार के लंड ने मजा दिया-1 में आप लोगों ने पढ़ा कि कैसे मेरा पुराना यार एक डॉक्टर निकला था और मैंने उसके लंड का मलाई निकाली थी. अब आगे : अगले […]
Full Story >>>

## मेरा गांडू भाई और मेरे चोदू यार-7

मेरे जिस्म की प्यास की सेक्स कहानी में अब तक आपने पढ़ा था कि मेरे गांडू भाई के लिए मुझे एक लंड का इंतजाम करना पड़ा. मैं उसे अपने चोदू प्रीत के फ़ार्म हाउस पर ले गई थी और अपने […]
Full Story >>>

## नई-नवेली भाभी की चुदाई देवर से-1

सभी दोस्तों को मेरा नमस्कार, मैं निक (बदला हुआ नाम) अन्तर्वासना का एक नियमित पाठक हूँ। मैंने यहां बहुत सी सेक्स कहानियां पढ़ीं, जिनको पढ़कर मेरा भी मन किया कि मैं मेरे साथ हुई घटना को आपके साथ साझा करूं. […]
Full Story >>>

## सफर में मिला नया लंड-2

दोस्तो, आपकी मुस्कान पेश है अपनी चुदाई कहानी सफर में मिला नया लंड-1 का अगला भाग लेकर। उम्मीद करती हूँ कि आपको कहानी पसंद आ रही होगी। इस कहानी में मैंने कोई छेड़छाड़ नहीं की है ; कहानी बिल्कुल सत्य घटना […]
Full Story >>>